युगऋषि के क्रांति-बीजों को घर-घर पहुँचाने की निरंतर बढ़ती हूक

सफलता के कीर्तिमान स्थापित करता पुस्तक मेला

वडोदरा (गुजरात)

वडोदरा शहर में १ से ८ जनवरी की तारीखों में एक अत्यंत सफल पुस्तक मेले का आयोजन सम्पन्न हुआ। इसका आयोजन वडोदरा उपजोन के पाँचों जिलों-भरुच, नर्मदा, पंचमहाल, दाहोद एवं वडोदरा ने मिलकर किया। आयोजकों की प्रबंधन कला का ही परिणाम था कि इस पुस्तक मेले में मात्र ८ दिनों में १४ लाख रुपये का साहित्य बिका। कुल ७०० प्रकार की पुस्तकें १५,६०० वर्ग फीट क्षेत्र में प्रदर्शित की गयीं।

वडोदरा के पुस्तक मेले के साथ आयोजकों ने कई प्रकार के कार्यक्रम रखते हुए नगर के लोगों को आकर्षित करने में सफलता पायी। पुस्तक मेले से पूर्व पत्रकार वार्ता में इसके उद्देश्य बताये गये। मेले के साथ प्रतिदिन प्रज्ञापुराण कथा हुई, हजारों लोगों ने इसमें भाग लेकर सद्ज्ञान की साधना की प्रेरणा पायी। प्रथम दिन की कलश यात्रा में वाङ्मय खण्डों के बड़े आकार के मॉडल प्रदर्शित किये गये।

मेले के प्रथम दिन ५१ कुण्डीय गायत्री महायज्ञ का आयोजन हुआ, जिसमें मिशन के बाहर की १५६ विभूतियों ने सपत्नीक भाग लिया। वडोदरा की सांसद श्रीमती जयाबेन ठक्कर, विधायक श्री मधु श्रीवास्तव, तपोभूमि के प्रतिनिधि श्री चैतन्य जी, श्री आई.एस. पाण्डेय तथा शांतिकुंज प्रतिनिधि श्री कालीचरण शर्मा जी ने इसमें भाग लिया।

उसी दिन प्रबुद्ध वर्ग सम्मेलन हुआ, जिसमें नगर के ७५० गणमान्य उपस्थित थे। उन्हें डॉ. मुकेश दलाल एवं श्री कालीचरण शर्मा जी ने संबोधित करते हुए सद्ज्ञान की साधना की प्रेरणा दी। ६ जनवरी को नि:शुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित हुआ। कुल मिलाकर **प्रतिदिन जनमानस को आकर्षित करने और विचार क्रांति की प्रेरणा देने के प्रयास होते रहे। आयोजकों ने झोला पुस्तकालयों के जरिए लोगों तक साहित्य पहुँचाने की व्यवस्था की थी। साढ़े आठ लाख रुपये का साहित्य तो इन्हीं झोला पुस्तकालयों के माध्यम से बिका।** ☯

गुड़गाँव (हरियाणा) में विचार क्रांति पुस्तक मेला

स्थान :- वैश्य समाज धर्मशाला, सेक्टर-४, गुड़गाँव, (हरियाणा)
दिनांक -२३ अप्रैल ०८ से २ मई ०८ (प्रात: ९ से सायं ९ तक)
संपर्क सूत्र :- 9312308887, 9810929745, 9999505124

विचार-बीज का सशक्त प्रभाव

खण्डवा (मध्य प्रदेश)

विगत गुरुपूर्णिमा को गायत्री परिवार द्वारा जिला एवं सत्र न्यायालय,खण्डवा में एक सद्विचार लेखन बोर्ड की स्थापना की गयी। तब से अब तक उस पर लिखे सद्विचारों से प्रेरित होकर ३५ अधिवक्ता, २५ कोर्ट बाबू एवं शासकीय अधिकारी एवं एक न्यायाधीश महोदय अखण्ड ज्योति पत्रिका के सदस्य बन गये हैं।

बोर्ड की स्थापना अधिवक्ता संघ के पूर्व अध्यक्ष श्री सरदार सिंह तंवर अधिवक्ता के आर्थिक सहयोग से हुई। अधिवक्तागण सर्वश्री अजय मालवीय, जुबेर खान एवं भगवानदास स्वामी इसके लिए गुरुवर का सच्चिंतन निकालते और नियमित रूप से लिखते हैं। इसे लोग नियमित रूप से बड़े ध्यान से पढ़ते हैं और उनसे प्रेरित होकर मिशन की पत्रिकाओं के सदस्य बन रहे हैं। ज्ञानक्रांति के इस पुण्य प्रयास में अधिवक्तागण सैफुद्दीन खान, रामेश्वर भादे, सुशील कोटवाल, राकेश धापक, गौरीशंकर गौर, सत्येंद्र सिंह तंवर, प्रणय गुप्ता, अश्विनी भादे, अजय पगारे एवं संतोष शुक्ला भी सहयोगी हैं। ☯

☞ न्यायालय में स्थापित सच्चिंतन बोर्ड न्यायविदों को बना रहा है अखण्ड ज्योति-युग निर्माण योजना, प्रज्ञा अभियान पत्रिकाओं का नियमित पाठक

सच्चिंतन बोर्ड के साथ संचालक अधिवक्तागण

'अमृत कुंभ' : विद्या विस्तार का एक सफल अभियान

वसंत पर्व संवत् २०६४ के दिन आदरणीय डॉ. प्रणव पण्ड्या जी एवं आदरणीया शैल जीजी ने 'अमृत कुंभ' का विमोचन किया; पुस्तकाकार में आयी विद्या विस्तार की एक ऐसी योजना जो पिछले ६-८ माह में भोपाल और आसपास के प्रबुद्ध जनों में युग निर्माणी साहित्य के लगभग १००० सेट स्थापित कर चुकी है। 'अमृत कुंभ' के प्रकाशन का उद्देश्य जगह-जगह विद्या विस्तार केन्द्रों की स्थापना कर परम पूज्य गुरुदेव की आकांक्षा के अनुरूप उनके साहित्य को अधिक से अधिक विभूतियों-विचारवंतों एवं भावनाशीलों तक पहुँचाना है।

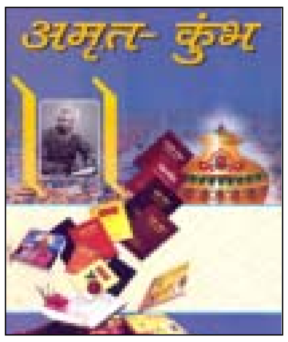

विद्या विस्तार की यह सफल योजना प्रांतीय युवा प्रकोष्ठ प्रतिनिधि डॉ. अशोक नेमा (प्रोफेसर शासकीय कॉलेज, भोपाल) तथा उनकी धर्मपत्नी श्रीमती संध्या नेमा द्वारा संचालित है। इस युगल ने अपनी फाइल में ही अपनी गुरुसत्ता, अपने मिशन तथा उनकी खास-खास अपीलों का सचित्र संकलन कर लिया है। दोनों ने नगर के ३०० विशिष्ट महानुभावों की सूची बनायी और प्रतिदिन दो घण्टे का अनिवार्य रूप से समय लेकर विद्या-विस्तार के अभियान पर निकल पड़े। आई.ए.एस., डॉक्टर, इंजीनियर, प्रोफेसर जैसी इन विभूतियों से सम्पर्क कर वे अपने संकलन से उन्हें बड़ी आसानी से समझा लेते हैं और उनके यहाँ व्यक्ति निर्माण, परिवार निर्माण, समाज निर्माण, स्वास्थ्य, नारी जागरण, कुरीति उन्मूलन जैसे साहित्य सैट स्थापित कर देते हैं। वे अब तक मिस (डॉ.) कॉलरा, डॉ. सरिता खरे, डॉ. रश्मि राठौर, डॉ. एस.सी. तिवारी, डॉ. अशोक सक्सेना आदि के सहयोग से एक हजार साहित्य सेट स्थापित कर चुके हैं। लोगों ने युगऋषि के विचारों को अपने विचारों के परिष्कार का श्रेष्ठ उपाय माना है और कहा है कि छोटी-छोटी बीमारियों के लिए जब सैकड़ों रुपये खर्च हो जाते हैं, तो सौ रुपये में इतने अच्छे विचार मिलना तो सौभाग्य की बात है। कॉऑपरेटिव सोसायटी के प्रथम श्रेणी के अधिकारी श्री नीखरा जी ने अपने सहयोगियों को नववर्ष के उपलक्ष्य में नि:शुल्क युग साहित्य बाँटा।

विद्या विस्तार की यह योजना जन सहयोग से राशि एकत्रित कर एक लाख रुपये से आरंभ की गयी है। डॉ. पद्माकर त्रिपाठी, डॉ.जी.पी. यादव, डॉ. प्रभा वर्मा, डॉ. सरिता खरे, डॉ.रमन शर्मा, डॉ.एस.एल. पाटीदार, डॉ.एन.बी. प्रजापति,इजी.वी के नेमा श्रीमती रेखा नेमा योजना के वित्तीय सहयोगी हैं, जिन्हें आवश्यकता पड़ने पर उनकी धनराशी बिना ब्याज के लौटाने का प्रावधान है। विद्याविस्तार योजना के मुनाफे से अब तक पर्व, मेलों में बीस हजार रुपये का नि:शुल्क साहित्य भी बाँटा जा चुका है। विद्याविस्तार योजना के सदस्य स्कूटर-पेट्रोल जैसे खर्च स्वयं ही वहन करने में समर्थ हैं। आजीविका चलाने के इच्छुक लोगों को उन्होंने लाभांश के निजी उपयोग का अधिकार भी दे रखा है।

डॉ. नेमा दम्पति की समग्र विद्या विस्तार योजना एवं प्रभावी संकलन अब 'अमृत कुंभ' नामक पुस्तक में संकलित है, जिसका मूल्य है 40 रुपये। इसका लाभ लेने के इच्छुक परिजन सीधे सम्पर्क करें :-

श्रीमती संध्या नेमा (मो.नं.09406533103)
डॉ. अशोक नेमा (मो.नं. 09425438403)
216, 9-B साकेत नगर, भोपाल (म.प्र.)

ज्ञानयज्ञ के विशिष्ट होता

डॉ. पवन जायसवाल

इलाहाबाद (उत्तर प्रदेश)

इलाहाबाद के समर्पित परिजन डॉ. पवन जायसवाल ने २९ जनवरी को ज्ञानयज्ञ का विशेष अभियान चलाते हुए १० हजार लोगों तक 'नमो वेदमाता-नमो विश्वमाता' पुस्तक पहुँचाई। विद्या विस्तार वर्ष की प्रासंगिकता को देखते हुए यह उनका एक अभिनन्दनीय प्रयास था, जिसके माध्यम से गायत्री उपासना से युगशक्ति के अभ्युदय की प्रेरणा जन-जन तक पहुँची। सर्वश्री वी.के.प्रसाद गुप्ता, अवधेश सिंह, सरयू प्रसाद, एल.बी. सिंह, सुशील श्रीवास्तव, जे.पी. गुप्ता, जे.पी. सिंह आदि इस ज्ञानयज्ञ में सहभागी थे।

शिष्य का समर्पण-गुरु का अनुदान

डॉ. पवन जायसवाल पिछले दो वर्षों से ज्ञानयज्ञ में संलग्न हैं। उन्होंने गतवर्ष अर्धकुंभ में भी गायत्री परिवार को साहित्य वितरण के लिए एक लाख रुपये दान दिये थे। गुरुसत्ता का अनुग्रह भी उन पर सतत बना रहा। २९ जनवरी को उन्होंने १० हजार पुस्तकें वितरित कीं और अगले ही दिन उन्हें उत्तर प्रदेश शासन द्वारा 'उत्तर प्रदेश वाणिज्य कर सलाहकार समिति (वैट)' का सदस्य मनोनीत कर लिया गया।

पं. सुरेशचंद्र दुबे-एडवोकेट

हरदा, होशंगाबाद (मध्य प्रदेश)

हरदा शाखा के एडवोकेट पं. सुरेशचंद्र दुबे का विद्या विस्तार का एक अलग ही प्रयोग है। वे युग निर्माण योजना की १६५ पत्रिकाएँ, विभिन्न भाषाओं में अखण्ड ज्योति की ६३ पत्रिकाएँ वितरित करते हैं। **३० लोगों को अपनी ही ओर से प्रज्ञा अभियान पत्रिका बाँटकर उन्हें मिशनरी सक्रियता के लिए प्रेरित करते हैं।** इन सबके साथ वे गोंद से चिपकाकर देते हैं एक विशेष ध्यानाकर्षण अपील, जिसमें गायत्री की महत्ता, स्वाध्याय की प्रेरणा और आस्तिक जीवन शैली के अवलम्बन के लिए न्यूनतम किये जाने वाले कार्यों का उल्लेख किया गया है। ☯

वार्षिकोत्सव : संकल्प और संस्कार का सुंदर प्रदर्शन

पुष्कर, अजमेर (राजस्थान)

गायत्री शक्तिपीठ कन्या महाविद्यालय, पुष्कर का २०वाँ वार्षिकोत्सव ७ फरवरी को आयोजित हुआ। इस अवसर पर महाविद्यालय में देव संस्कृति विश्वविद्यालय, शांतिकुंज के 'दूरस्थ शिक्षा केन्द्र' का उद्घाटन हुआ। शांतिकुंज प्रतिनिधि आदरणीय श्री वीरेश्वर उपाध्याय एवं श्री महेन्द्र शर्मा जी ने फीता काटकर एवं दीप प्रज्वलन कर इस केन्द्र के शुभारंभ की औपचारिकताएँ सम्पन्न कीं।

महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने अपनी मनमोहक प्रस्तुतियों के साथ अतिथि स्वागत, भारत माता की वंदना, गीतों द्वारा युगऋषि की प्रेरणा के कृत्य सम्पन्न किए और प्रदेश के सांस्कृतिक वैभव की झाँकी प्रस्तुत की। बच्चों ने समाज सुधार की प्रेरणा वाले कई गीत-नाटक आदि भी प्रस्तुत किये। शांतिकुंज प्रतिनिधियों ने उनके प्रदर्शन को सराहते हुए उनमें आत्म निर्माण की हूक भी जगाई।

दूरस्थ शिक्षा केन्द्र का उद्घाटन करते शांतिकुंज प्रतिनिधि

आदरणीय श्री वीरेश्वर उपाध्याय जी ने अपने संदेश में गायत्री उपासना पर बल दिया। उन्होंने कहा कि जो है उसे पर्याप्त मानने की बजाय लोभ, मोह और अहंकार से दूर रहते हुए विद्यार्थी को अपनी क्षमताओं के श्रेष्ठतम उपयोग के लिए सतत प्रयत्नशील रहना चाहिए। श्रोताओं को दूरस्थ शिक्षा पाठ्यक्रमों की जानकारी दी गयी। डॉ. बाल स्वरूप गर्ग ने गोमाता के लाभों की आख्या प्रस्तुत की।

वार्षिकोत्सव में वर्षभर आयोजित प्रतियोगिताओं के पुरस्कार भी वितरित किये गये। जोन प्रभारी श्री अंबिका प्रसाद श्रीवास्तव द्वारा धन्यवाद ज्ञापन से कार्यक्रम का समापन हुआ। इसका संचालन डॉ. मीनाक्षी जैन ने किया था। ☯

मन की विकल वेदना से खुली ज्ञानयज्ञ की राह

रतलाम (मध्य प्रदेश)

प्रज्ञा मण्डल रतलाम के कार्यवाहक श्री सुरेन्द्र ठाकुर पिछले पाँच वर्षों से पू. गुरुदेव का साहित्य घर-घर पहुँचा रहे हैं। अपने व्यवसाय में कितना ही घाटा क्यों न उठाना पड़े, वे इस कार्य से कभी पीछे नहीं हटते।

कुछ दिन पूर्व अखण्ड ज्योति में छपी पंक्तियों 'मात्र १००० दिन शेष रह गये हैं.....' ने उन्हें चौंका दिया। बहुत अधूरे काम को पूरा करने के लिए चिंतन में जैसे ज्वाला-सी भड़क उठी। उन्होंने सोचा कि कोई वैन किराये पर लेकर ज्ञानरथ बनाते हुए घर-घर, मोहल्ले-मोहल्ले निकाला जाय। बहुत सम्पर्क किया, पर कोई १२-१५ हजार रुपये मासिक किराये पर भी वैन देने के लिए भी तैयार नहीं हुआ।

वसंत पर्व आया। दो-तीन दिन में ही ज्ञानरथ शुरू करने की विकलता उभरने लगी। शिष्य की अकुलाहट से परिचित गुरु की कृपा देखिए कि तभी एक अज्ञात व्यक्ति 'रोहित' का फोन आया। उसने अपनी मारुति वैन मात्र ७ हजार रुपये किराये पर उपलब्ध कराने की पेशकश की। अब यह वैन ज्ञानरथ बन गयी है और रतलाम की गली-गली, घर-घर में गुरुदेव का साहित्य पहुँचा रही है। सर्वश्री नंदकिशोर कसेरा, किशोर सिंह राठौर, प्रो.कृष्णात्रे एवं मोहनलाल चौहान श्री सुरेन्द्र ठाकुर का सहयोग कर रहे हैं। इस कार्य के लिए उन्होंने एक लाख रुपये अलग ही निकाल दिये हैं। ☯

विचार जब तक क्रिया का रूप धारण नहीं करते, वे व्यर्थ हैं। उत्तम विचारों को उत्तम कार्यों में परिवर्तित कर देने पर ही सुमनोरथों की सिद्धि संभव है।